

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	ज्येष्ठ 10, शुक्रवार, शाके 1946-मई 31, 2024 <i>Jyaistha 10, Friday, Saka 1946- May 31, 2024</i>	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज़ायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, अप्रेल 03, 2024

संख्या प. 2(19)वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन भूमि सरकार की सम्पत्ति है अथवा उनमें सरकार के स्वामित्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा किसी अंश की स्वामित्वधारी (Entitled) है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार से लेखबद्ध ही किये गये हैं।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार या व्यक्तियों के अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबन्द किया जाना आवश्यक है। परन्तु चूंकि इन कार्यों के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचने की आशंका है।

इसलिए अब राजस्थान फॉरेस्ट एक्ट 1953 (1953 का एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये सरकार इसके द्वारा फॉरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वनभूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकारी तथा व्यक्तियों के अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबन्द करने हेतु नियुक्त करती हैं। तथ ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साध्य उसी प्रणाली में किया जावेगा। जैसा कि उक्त एक्ट की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1), 11, 13, 14, 17, 18 तथा 19 में प्रवाहित है।

और एक्ट की धारा 29 की उपधारा (3) कि परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखों के सम्पादित होने तक उक्त वन भूमि और बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन घोषित करती है। परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आवेगी। और न उस पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के ये वृक्ष संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। राज-पत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख में आरक्षित है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को

हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उसे किसी निर्माण अथवा पशुपालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए खण्डित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,
विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि व बंजर भूमि)
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	नाम ब्लॉक	नाम तहसी ल	नाम जिला	सीमा			नाम ग्राम	विवरण		
				दिशा		भूमि		खसरा नं०	क्षेत्रफल (बीघा में)	क्षेत्रफल (हे० में)
1	रक्षित वनखण्ड- डोबड़ा खानपुर	खानपुर	झालावाड़	पूर्व	राजकीय उच्च मा. विद्यालय	310 309/776	डोबड़ा	309	79 बीघा 09 बीस्वा	12.8609
				पश्चिम	ग्राम भोजूखेड़ी	-				
				उत्तर	गे.मु.रास्ता	307		317	40 बीघा 12 बीस्वा	6.5721
				दक्षिण	गे.मु.रास्ता	318				
			महायोग रक्षित वनखण्ड डोबड़ा						120-01	19.4330

हस्ताक्षर

(अशोक कुमार खोजा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)
उप वन संरक्षक
झालावाड़

द्वितीय अनुसूची रक्षित वनखण्ड डोबड़ा
पेड़ों की सूची

क्र.स.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी का नाम
1	Acacia nilotica	देशी बबूल
2	Prosopis juliflora	विलायती बबूल
3	Ziziphus muaritiana	झाडी बेर
4	Balanities aegyptiaca	हिगोट
5	Acacia leucophloea	रोझ
6	Dalbergia sissoo	शीशम
7	Holoptelia integrifolia	चुरेल

हस्ताक्षर

(अशोक कुमार खोजा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)
उप वन संरक्षक
झालावाड़

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक, द्वारा प्रमाण पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दे)**

जिला :- झालावाड़
तहसील :- खानपुर
रेंज :- खानपुर
रक्षित वनखण्ड :- डोबड़ा
ग्राम :- डोबड़ा

1. संलग्न प्रारूप में दर्शायी वन भूमि का प्रत्यावर्तन प्रकरण परवन मध्यम सिंचाई परियोजना के विरुद्ध प्राप्त गैर वन भूमि है। जिसका वन विभाग के नाम अमल दरामद की जा चुकी है। भूमि की किस्म गे.मु. जंगलात है।
2. वर्तमान राजस्व लेखों में महकमा जंगलात दर्ज है। मौके पर विभाग द्वारा 19.4330 हे० क्षेत्रफल में वृक्षारोपण कार्य करवा दिया गया है। इस क्षेत्र में वर्तमान में अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है इस क्षेत्र का राजस्व जमाबन्दी में महकमा जंगलात कर दिया है।
3. भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.0 से 0.2 हैं
4. सीमावृत्ति क्षेत्र की स्थिति निजी काशत भूमि, गांव की सीमाएं गे.मु.नदी व गे. मु.रास्ता है। तथा सीमा का उल्लेख एवं खसरा नं० व रकबा विज्ञप्ति में दर्ज कर दिया गया है।
5. वनखण्ड का मानचित्र नक्शा संलग्न है। जिसमें खसरा नं० व रकबा दर्ज है। एवं जी.टी. शीट की छायाप्रति संलग्न है।
6. प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कारण रहे हैं। किन्तु अब उल्लेखित वनक्षेत्रों को कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है। जिससे जिले की भूमि पर विभाग का साक्ष्य सिद्ध हो सके।
7. राजस्व अभिलेखों में अमल दरामद वन विभाग के नाम हो रहा है।
8. उपरोक्त वनखण्ड परवन मध्यम सिंचाई परियोजना में आयी वन भूमि के बदले आयी राजस्व भूमि जिसका अमलदरामद वन विभाग के नाम हो चुका है।
9. वनखण्ड के पश्चिम दिशा में ग्राम भोजूखेडी है एवं वनखण्ड खसरा नं० 309 के पूर्व दिशा में गे.मु. नदी एवं खसरा नं० 317 के पूर्व व उत्तर दिशा में गे.मु.नदी स्थिति है। जो वनभूमि से बाहर है जिस पर वन विभाग का कब्जा एवं अधिकार नहीं है।
10. आज दिनांक 27.07.2023 तक इस भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है। एवं न ही प्रकाशन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किये गये हैं।

हस्ताक्षर

(अशोक कुमार खोजा)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
खानपुर

हस्ताक्षर

(वी. चेतन कुमार I.F.S.)
उप वन संरक्षक
झालावाड़